कैमरामैनों की सेवाओं को नियमित करना

1017. श्री एम० ए० हनान अलहाज : क्या सूचना और प्रसारण मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या कुछ नैमित्तिक कैमरामैनों की सेवाओं को नियमित किया गया है, यदि हां, तो उनके नाम क्या हैं तथा वे किन स्टेशनों पर नियुक्त हैं ;

(ख) उनमें से प्रत्येक की अर्हता कितनी है और उन्होंने उस अर्हता को किन संस्थाओं से प्राप्त किया ; और

(ग) उनमें डिप्लोमाधारियों तथा केवल इस लाइन का अनुभव रखने वालों की संख्या का ब्यौरा क्या है ?

सूचना और प्रसारण मंत्री (श्री लाल कृष्ण आडवाणी) : (क) आठ दीर्घकालिक नैमित्तिक कैमरामैनों को नियमित करने के लिए आदेश जारी किए गए हैं। उनके नाम तथा उनकी तैनाती-स्थान इस प्रकार हैं :—

नाम	तैनाती का स्थान
1. श्री नौशीर मिस्त्री .	बम्बई
2. श्री सत्य नारायण दे .	कलकत्ता
3. श्री पी० के० सिवाजी .	लखनऊ
4. श्री फरूक अहमद बुट्ट .	श्रीनगर
5. श्री राजेन्द्र कौल .	श्रीनगर
6. श्री हरतेज सिंह .	श्रीनगर
7. श्री [illegible]	श्रीनगर
8. श्री गुलाम नबी वानी .	श्रीनगर

(ख) और (ग). इन में प्रत्येक की अर्हताएं और अनुभव इस प्रकार हैं :—

नाम	अर्हताएं	अनुभव
1	2	3
1 श्री नौशीर मिस्त्री .	एस० एस० एल० सी०	गैर-सरकारी एजेंसियों और नियमित किए जाने के लिए निर्धारित निम्नलिखित किसी एक फार्मूले के अन्तर्गत दीर्घकालिक नैमित्तिक कलाकार के रूप में दूरदर्शन में भी अनुभव :— (2) तीन वित्तीय वर्षों अर्थात् 1974–75, 1975–76 और 1976–77 या 1975–76, 1976–77 और 1977–78 के दौरान 365 दिन या (2) चार वित्तीय वर्षों अर्थात् 1974–75, 1975–76 1976–77 या 1977–78 में किसी भी एक वित्तीय वर्ष के दौरान 240 दिन।
2. श्री सत्य नारायण दे .	हायर सेकेन्ड्री स्तर की 10वीं कक्षा पास।	गैर-सरकारी एजेंसियों और नियमित किए जाने के लिए निर्धारित निम्नलिखित किसी एक फार्मूले के अन्तर्गत दीर्घकालिक नैमित्तिक कलाकार के रूप में दूरदर्शन में भी अनुभव : (1) तीन वित्तीय वर्षों अर्थात् 1974–75, 1975–76 और 1976–77 या 1975–76, 1976–77 और 1977–78 के दौरान 365 दिन, या (2) चार वित्तीय वर्षों अर्थात् 1974–75, 1975–76, 1976–77 या 1977–78 में किसी भी एक वित्तीय वर्ष के दौरान 240 दिन।

1	2	3
3. श्री पी० के० सिवाजी	एस० एस० एल० सी० इंस्टीट्यूट आफ फिल्म टेकनोलोजी, अडियार, मद्रास से सिनेमाटोग्राफी में डिप्लामा।	तदेव
4. श्री फरुक अहमद बुट्ट	बी० एस० सी०	तदेव
5. श्री राजेन्द्र कौल	इन्टरमीडिएट	तदेव
6. श्री हरतेज सिंह	बी ०एस० सी०	तदेव
7. श्री रफीक अहमद मलिक	इन्टरमीडिएट	तदेव
8. श्री गुलाम नबी वानी	बी० ए०	तदेव

Coal Burning in Jharia Group of Mines

1018. SHRI PABITRA MOHAN PRADHAN: Will the Minister of ENERGY be pleased to state:

(a) whether it is a fact that as per the publication of the Central Mines and Minerals Research Bureau (institution) there has been a loss of coal to the value of some three hundred and fifty crores of rupees during the last 50 years in the Jharia group of mines due to heating or burning;

(b) if so, what steps had been and is being and will be taken to stop coal burning and heating not only in the Jharia area but also elsewhere in the country;

(c) whether any coal burning took place in the last five years including the calendar years 1977, 1978 in the said Jharia area and the value of coal burnt during 1977 and 1978 calendar years; and

(d) whether the coal burning was virulent after nationalisation of the Coal Industry?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF ENERGY (SHRI JANESHWAR MISHRA): (a) It is a fact that there are a number of underground fires in Jharia coalfield, some of which have been going on for several decades. It is not possible to assess the loss of coal due to the fires.

(b) and (c). Defective mining practices in pre-nationalisation period had been the cause of such underground fires, as coal is prone to spontaneous heating in the presence of air. However, after the nationalisation, emphasis was given to get such areas properly studied for scientific remedies with a view to controlling the destruction of valuable natural resource. A senior level commitee including members from Bharat Coking Coal Ltd., Central Mine Planning & Design Institute, Central Mining Research Station and Tata Iron and Steel Company arrived at certain broad conclusions including the method of tackling mine fires on surface and underground. Subsequently, the Government appointed a Safety Committee to go into various aspects of safety in mines and also coal fire in Jharia coalfield specifically. This committee identified 41 active fires in Jharia coalfield and the recommendations on each of them have been accepted by the Governmnt. As per